Damage to DTC buses during Bandh

336. DR. C. SILVERA: Will the Minister of TRANSPORT be pleased to state:

(a) the number of Delhi Transport Corporation buses including buses under DTC operations damaged during the BANDH organised by opposition parties in Delhi on the 10th February, 1986;

(b) the estimated loss suffered by DTC on this account and the estimated for getting the buses replaced;

(c) the number of persons arrested in this connection and injured during the BANDH; and

(d) whether a few buses were also damged on 8th and 9th Feb., 1986 before the actual BANDH, if so what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT): (a) 339 buses of the D.T.C. were damage during BANDH agitation on 10-2-86. No records are available to show as to how many private buses under DTC Operation were damaged on this day.

(b) The estimate for getting the buses repaired works out to roughly Rs. 3,72,900|- as per DTC estimates.

(c) The information is as under :—

Number of person arrested	474
Detained under Sec. 65 of Delhi Police Act	808
Persons injured	10 (including 7 policemen)

(d) On 8-2-86, 8 buses of the Corporation were damaged. As per the records no bus of the Corporation was damaged on 9.2.86. The estimated cost of damage of 8 buses is Rs. 5,800|.

इन्दौर भोपाल लाइन का नवीकरण

337. **श्री राधाकिशन मालवीय** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इन्दौर भोपाल रेल लाइन बड़ी खराब स्थिति में है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस लाइन का सर्वेक्षण किया गया है, यदि हां तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस के सुधार का कार्य कब तक आरम्भ तथा पूरा किया जायेगा ?

रेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) से (ग) जी नहीं । तथापि कुल 262.69 रेलपथ किलोमीटर में से लगभग 90 किलोमीटर लम्बे रेलपथ का नवीकरण किया जाना अपेक्षित है । उज्जैन और इन्दौर के बीच भी लगभग 45 कि०मी० रेलपथ में 75 पौंड की पटरियों का 90 पौंड की पटरियों से बदलाव किया जाना आवश्यक है । नवीकरण के काम को वित्तीय वर्ष 1987–88 में पूरा करने की योजना बनायी गयी है ।

भाप के इंजनों का बदला जाना

338. **श्री राधाकिशन मालवीय** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रेलवे भाप से चलने वाले इंजनों को बदलने का विचार रखता है, यदि हां, तो वर्तमान में कितने भाप इंजन हैं तथा इन्हें डीजल अथवा विद्युत इंजनों में कब तक बदल दिये जाने की संभावना है;

(ख) अब तक कितने भाप इंजन बदल दिये गये हैं; और

(ग) भाप, डीजल तथा विद्युत इंजनों का परिचालन व्यय क्रमश: कितना-कितना है ?

रेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) जी हां । रेलों ने अपनी नीति के रूप में सभी भाप रेल इंजनों के उपयोग में लाने की योजना बनाई है । 31-3-85 को भाप इंजनों की कुल संख्या 5,970 थी । रेल इंजनों की निर्धारित आयु के अनुसार अंतिम भाप रेल इंजन का बदलाव सन् 2013 ईस्वी तक होगा तथापि, प्रयास किये जा रहे हैं कि सन् 2000 ईस्वी तक सभी भाप रेल इंजनों को हटा दिया जाये, बशर्ते कि धन उपलब्ध हो ।

(ख) लाइन पर भाप इंजनों की संख्या, जो 1963-64 में 10,810 थी, जो 31-3-85 को घटकर 5970 रह गयी थी । चालू वित्त वर्ष 1985-86 के दौरान लगभग 250 और भाप रेल इंजनों को हटा दिये जाने की आशा है ।

(ग) वर्ष 1983-84 के दौरान भाप, डीजल और बिजली कर्षण के लिए क्रमशः प्रति 1000 सकल टन किलोमीटर परिचालन और अनुरक्षण की लागत निम्नलिखित थी :—

(लागत रुपयों में)

	बड़ी लाइन	मीटर लाइन
भाप	126.54	111.29
डीजल	18.75	27.59
बिजली	13.84	17.13

छोटे तथा बड़े पत्तनों का विकास

339. **श्री मीर्जा इर्शादबेग** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान बड़े, छोटे तथा मध्यम पत्तनों के विकास हेतु कुल कितना धन व्यय किया गया तथा प्रत्येक प्रकार के पत्तन पर किए गए व्यय का अनुपात क्या है ;

(ख) बड़े तथा छोटे पत्तनों पर कुल कितने सामान की ढुलाई की गई तथा छोटे पत्तनों द्वारा कितना राजस्व कमाया गया;

(ग) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान छोटे पत्तनों के लिए कितना धन आबंटित किया गया है तथा गुजरात सरकार ने इस संबंध में जो मांगें पेश की हैं उनका ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कार्यवाही किये जाने का विचार है; और

(घ) क्या हजीरा-मांडवी जैसे छोटे पत्तनों तथा अन्य पत्तनों के विकास के लिए अधिक धन आबंटित किये जाने की संभावना है, यदि हां, तो कब तक तथा उसकी मात्रा कितनी है ?

जल-भूतल परिवहन विभाग में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) जहां तक महापत्तनों का संबंध है, छठी योजना अवधि के दौरान विकास योजनाओं पर खर्च की गई कुल राशि निम्नलिखित सारणी में दर्शाई गई है :—

(करोड़ रुपए)

	पत्तन	राशि
1.	(क) कलकत्ता	19.88
	(ख) हल्दिया डॉक	13.18
	(ग) हल्दिया चैनल ड्रेजिंग	10.92
	(घ) भागीरथी हुगली रिवर ड्रेजिंग कार्य	13.44
2.	बम्बई	72.45
3.	मद्रास	82.13
4.	कोचीन	56.01
5.	विशाखापत्तनम	57.35
6.	कांडला	49.08
7.	मुरगांव	25.19
8.	पारादीप	67.37
9.	टूटीकोरिन	34.84
10.	न्यू मंगलूर	33.48
	कुल	525.32